प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र : हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

(क) उपन्यास :

गोदान – प्रेमचन्द
अथवा
मैला ऑचल – फणीश्वरनाथ रेणु

(ख) निर्धारित कहानीकार एवं उनकी कहानियां

1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद– आकाशदीप
3. प्रेमचन्द – दुनिया का अनमोल रतन
4. जैनेन्द्र कुमार – अपना–अपना भाग्य
5. निर्मल वर्मा – परिन्दे
6. ज्ञान रंजन–पिता
7. भीष्म साहनी– चीफ की दावत
8. शेखर जोशी–कोसी का घटवार
9. सुभद्रा कुमारी चौहान–राही
10. कमलेश्वर–राजा निरबंसिया
11. अमरकांत–डिप्टी कलेक्टरी

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध एवं कहानियाँ

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक– प्रो0 प्रभाकर सिंह
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा
2. गोदान : डॉ0 इन्द्रनाथमदान
3. हिन्दी उपन्यास : डॉ0 शिवनारायण श्रीवास्तव
4. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डॉ0 त्रिभुवन सिंह
5. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : डॉ0 त्रिभुवन सिंह
6. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य : डॉ0 गोपाल राय
7. गोदान : कुछ सन्दर्भ : डॉ0 कमलेश कुमार गुप्ता
8. हिन्दी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन : डॉ0 ब्रम्हदेव शर्मा
9. हिन्दी कहानी : रचना और प्रक्रिया : डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव
10. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास : डॉ0 सुरेश सिन्हा
11. हिन्दी कहानियों की शिल्पविधि का विकास : डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल
12. अपने अपने अज्ञेय : ओम थानवी
13. अज्ञेय : (सं0) डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14. हिन्दी के साहित्य निर्माताः अज्ञेय : प्रभाकर माचवे
15. शिखर से सागर तक : डॉ0 रामकमल राय

16. अज्ञेय एवं आधुनिक रचना की समस्या : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. अज्ञेय : सौन्दर्य संधारणा : डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा
18. मैला आंचल रचना प्रक्रिया : देवेश ठाकुर
19. अज्ञेय : सं0 हितेश कुमार सिंह
20. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया : सुरेन्द्र चौधरी

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :

(क) भारतीय काव्यशास्त्र – भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, काव्य का स्वरूप, (काव्य–लक्षण), काव्य की आत्मा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य भेद (प्रकार), काव्य गुण, काव्य दोष, शब्द शक्ति । भारतीयकाव्य सिद्धान्त – रस के अवयव, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य सिद्धांत।

(ख) हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचक औरउनकी मान्यताएं : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र , डॉ0 रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, डॉ0 नामवर सिंह

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 कृष्णवल
2. भारतीय साहित्यशास्त्र : आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
4. भारतीयकाव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ0 नगेन्द्र
5. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
6. सिद्धांत औरअध्ययन : बाबू गुलाबराय
7. रस–मीमांसा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
8. काव्यशास्त्र विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
9. रस सिद्धांत और सौन्दर्यशास्त्र : डॉ0 निर्मला जैन
10. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र
11. काव्य रस : चिन्तन और आस्वाद : डॉ0 भगीरथ मिश्र
12. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ0 तारकनाथ बाली
14. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा
15. रस–सिद्धांत : डॉ0 नगेन्द्र
16. रीति और शैली : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
17. भारतीय काव्यशास्त्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी – आलोचना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
18. हिन्दी–आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल
19. हिन्दी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
20. हिन्दी आलोचना : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
21. आलोचक औरआलोचना : डॉ0 बच्चन सिंह
22. आलोचना के रचना पुरूष : (सं0) भारत यायावर
23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : मलयज
24. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना का अर्थ और अर्थ की आलोचना : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
25. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 शिवकुमार मिश्र
26. हिन्दी आलोचना के बीच शब्द : डॉ0 बच्चन सिंह

27. देशज काव्यशास्त्र की निर्मिति : डॉ0 अविनाश कुमार सिंह

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

पाठ्य विषय :
(क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र
प्लेटो का काव्य – सिद्धांत : अनुकृति–सिद्धांत
अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ : अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत, त्रासदी–सिद्धांत ।
लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
टी0एस0 इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा

(ख) आधुनिक आलोचना के प्रमुख वाद : स्वच्छन्दतावाद, शास्त्रीयतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद,अस्तित्ववाद, संरचनावाद, विखण्डनवाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, साहित्य का समाजशास्त्र।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
3. प्लेटो के काव्य–सिद्धांत : डॉ0 निर्मला जैन
4. अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ0 नगेन्द्र
5. अस्तित्ववाद–कीर्केगार्द से कामू तक : योगेन्द्र साही
6. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद : डॉ0 सत्यदेव मिश्र
7. उदात्त के विषय में : डॉ0 निर्मला जैन
8. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी पर उसका प्रभाव : डॉ0 रविन्द्रसाहाय वर्मा
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ0 तारकनाथ बाली
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
11. नयी समीक्षा के प्रतिमान : (सं0) निर्मला जैन
12. उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम : बैजनाथ सिंघल
13. त्रासदी : डॉ0 हरद्वारी लाल शर्मा
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : भारतीय साहित्य का स्वरूप–तृतीय ऐच्छिक विषय

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएं।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. प्रतिनिधि उपन्यास – संस्कार (यू0आर0 अनन्तमूर्ति)
   आग का दरिया (कुर्रतुल ऐन हैदर)
   वर्षा की सुबह–(सीताकान्त महापात्र)
4. प्रतिनिधि नाटक – घासीराम कोतवाल (विजय तेन्दुलकर)
5. भारतीय साहित्य : चेतना के आयाम– राष्ट्रीयता, लोकतांत्रिक चेतना, धार्मिक चेतना, मूल्यबोध, परम्परा बोध और आधुनिकता।
6. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. भारतीय साहित्य : (सं0) डॉ0 नगेन्द्र
2. मराठी भाषा और साहित्य : डॉ0 राजकमल बोरा
3. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : डॉ0 के0 सच्चिदानन्दन
4. 'चयनम्' : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
5. भारतीय साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीकान्त पाण्डेय
6. भारतीय साहित्य : साहित्य अकादमी
7. भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

ऐच्छिक विषय (Subject Elective)
एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र प्रयोजनमूलक हिंदी–तृतीय ऐच्क्षिक विषय

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

इकाई– 1 : प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और क्षेत्र

- अर्थ विस्तार, आवश्यकता और विशेषताएँ
- हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा, संपर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा
- भारतीय भाषाएँ
- हिंदी की समृद्धि व प्रकार, हिंदी का वैविध्य
- हिंदी : मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया

इकाई– 2. जनसंचार में हिंदी :

- जनसंचार माध्यम : विविध आयाम
- जनसंचार माध्यम : विविध भाषिक रूप
- विज्ञापन और हिंदी

इकाई– 3. वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप :

- वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्तियाँ
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली
- वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

इकाई– 4. प्रशासनिक पत्राचार, विविध रूप :

- प्रारूपण, कार्यालयी पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, पल्लवन, प्रतिवेदन

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : दंगल झाल्टे
2. हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया
4. भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी : संपादक– पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
5. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति : जितेन्द्र वत्स
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी और व्यावहारिक पत्रकारिता : मुश्ताक अली

7. मीडिया और साहित्य–साहित्य रत्नालय कानपुर–प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र– चतुर्थ इलेक्टिव

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को लघु उपन्यास लेखन करना, मौलिक कहानी पर परियोजना देना, भारतीय संस्कृति के विविध आयामों पर लगभग बीस दस हजार शब्दों में अधिन्यास बनवाना एवं उसका मूल्यांकन करना

अथवा

गोदन एवं मैला आँचल जैसे फलदायी उपन्यासों पर संगोष्ठी आयोजित कराकर उसमें विद्यार्थियों की प्रस्तुति कराना।कहानी लेखन के उपर कार्यशाला का आयोजन कराना। कम से कम विश्वविद्यालय या महाविद्यालय विभाग स्तर 05 संगोष्ठी विद्यार्थि केन्द्रित आयोजित कराना। प्रयोजनमूलक हिंदी पर कार्यशाला आयोजित कर सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञाप, टिप्पणी लेखन, कार्यालय आदेश, प्ररूपण संक्षेपण आदि का अभ्यास कराना।